अध्याय - 9

अनुवाद

अनुवाद क्या है :

अनुवाद का शाब्दिक अर्थ है - किसी के कहने के बाद कहना । आजकल एक भाषा में लिखित पाठ को दूसरी भाषा में लिखना अनुवाद कहलाता है । जाहिर है कि अनुवादक को दोनों भाषाओं में प्रवीण होना ही चाहिए । हम यहाँ हिन्दी और ओड़िआ भाषाओं के अनुवाद के बारे में चर्चा करेंगे ।

अनुवाद से लाभ :

हरेक भाषा का साँचा या संरचना-शैली अलग-अलग होती है । अनुवाद करते समय इन साँचों को पकड़कर आगे बढ़ना पड़ता है । इसलिए दोनों भाषाओं की प्रकृति से आसानी से परिचय हो जाता है । इससे शब्द और भाषा का ज्ञान हो जाता है । भावों और विचारों को ठीक ढंग से अभिव्यक्त करने की क्षमता पैदा हो जाती है ।

अनुवाद कैसे करें :

किसी भी भाषा में वाक्य पूरा अर्थ देनेवाली छोटी इकाई है । वाक्य में एक कर्ता होता है और एक क्रिया होती है । इनको क्रमश: उद्देश्य और विधेय कहते हैं । कर्ता एक पद का हो सकता है अथवा अनेक पदों का । उसी प्रकार क्रिया भी एक पद की हो सकती है या अनेक पदों की ।

इसलिए वाक्य के कर्ता और क्रिया-इन मुख्य पदों को चुन लीजिए । मन में उन दोनों का अनुवाद कर लीजिए । शुरू-शुरू में दोनों को अलग-अलग लिख लीजिए । फिर उनके साथ आनेवाले अन्य पदों को लीजिए । उनका अनुवाद कीजिए । संरचना के आधार पर वाक्य के टुकड़े-टुकड़े कर लीजिए और उनका अनुवाद करते जाइए ।

ध्यान रखिए कि आप जिस भाषा में अनुवाद कर रहे हैं, आपका नया बनाया गया वाक्य उसके व्याकरण के अनुकूल हो ।

उदाहरण के लिए ओड़िआ का यह वाक्य लें -

ଗଜପତି ମହାରାଜାଙ୍କର ବୁଢ଼ା ହାତୀ ପାଣି ପିଇବାକୁ ନରେନ୍ଦ୍ର ସରୋବର ଆଡ଼କୁ ଧୀରେ ଧୀରେ ଯାଉଅଛି ।

ध्यान दीजिए कि इस वाक्य में दो पद मुख्य हैं -

कर्ता (उद्देश्य)	क्रिया (विधेय)
हाथी	जा रहा है

हाथी की विशेषता बताने वाले - विशेषक पद हैं – गजपति महाराजा का बूढ़ा । क्रिया की विशेषता बताने वाला विशेषक पद है । धीरे-धीरे । वाक्य को पूरा करने वाले अन्य पद हैं – पानी पीने के लिए, नरेन्द्र सरोवर की ओर ।

यह वाक्य लम्बा था । हमने उसके कुछ टुकड़े कर दिए । उनका अनुवाद कर लिया । फिर सबको जोड़कर पूरे वाक्य को ऐसे लिख दिया :

गजपति महाराज का बूढ़ा हाथी पानी पीने के लिए नरेन्द्र सरोवर की ओर जा रहा है ।

बस ! हो गया अनुवाद !

इस विश्लेषण से –

निम्नलिखित बातें स्पष्ट हो गईं :

१. हिन्दी और ओड़िआ भाषाओं की संरचनाएँ लगभग समान हैं।

२. कहाँ समानता है, और कहाँ पार्थक्य है, उनको समझना होगा ।

३. हम सरलता से जटिलता की ओर बढ़ेंगे । ।

अब संरचनाओं को छाँटें :

१. **कर्ता-क्रिया संबंध** - हर भाषा में क्रिया-पद का बड़ा महत्व है । क्योंकि क्रिया-पदों के साथ वाक्य के अन्य पदों का संबंध रहता है । क्रिया-पद के रूप मुख्य रूप से कर्ता-पदके लिंग वचन, पुरुष और कारक के अनुसार बदलते हैं । फिर एक ही क्रिया के तीनों कालों (भूत, वर्तमान, भविष्यत्) में रूप बदलते हैं ।

(i) लिंग-वचन के अनुसार रूप-परिवर्तन :

अब हम हिन्दी और ओड़आ भाषा के रूपों की तुलना करें । इन उदाहरणों को लें :

बच्चा खेलता है । ପିଲାଟି ଖେଳୁଅଛି ।

बच्ची खेलती है । ଝିଅଟି ଖେଳୁଅଛି ।

बच्चे खेलते हैं । ପିଲାମାନେ ଖେଳୁଛନ୍ତି ।

बच्चियाँ खेलती हैं । ଝିଅମାନେ ଖେଳୁଛନ୍ତି ।

इससे यह मालूम हुआ कि हिन्दी में कर्ता के लिंग और वचन का प्रभाव क्रिया पर पड़ता है । कर्ता पुंलिंग एकवचन में होगा तो क्रिया भी एकवचन पुंलिंग में होगी । कर्त्ता पुंलिंग बहुवचन में होगा तो क्रिया भी पुंलिग बहुवचन में होगी ।

उसी प्रकार कर्ता स्त्रीलिंग एकवचन में होगा तो क्रिया स्त्रीलिंग एक वचन में होगी । कर्ता स्त्रीलिंग बहुवचन में होगा तो क्रिया भी स्त्रीलिंग बहुवचन में होगी ।

लेकिन ओड़िआ में केवल कर्ता के वचन का प्रभाव क्रिया पर पड़ता है । इन वाक्यों को देखिए -

ବାଳକ ପଢୁଅଛି । बालक पढ़ रहा है ।

ବାଳକମାନେ ପଢୁଛନ୍ତି । बालक पढ़ रहे है ।

ଘୋଡ଼ା ଦୌଡୁଅଛି ।	घोड़ा दौड़ रहा है ।
ଘୋଡ଼ାମାନେ ଦୌଡୁଛନ୍ତି ।	घोड़े दौड़ रहे हैं ।
ଝିଅଟି କାନ୍ଦୁଛି ।	बच्ची रो रही है ।
ଝିଅମାନେ କାନ୍ଦୁଛନ୍ତି ।	बच्चियाँ रो रही हैं ।

आपका काम :

ऐसे कई और वाक्य बनाकर इस संरचना को समझिए ।

(ii) पुरुष - उत्तम पुरुष - मैं काम करता हूँ । हम काम करते हैं ।

मध्यम पुरुष - तू काम करता है । तुम काम करते हो। आप काम करते हैं ।

अन्य पुरुष - वह काम करता है । वे काम करते हैं ।

क्रिया-पद का विस्तार :

(i) मुख्य क्रिया + सहायक क्रिया

करता + है = କରୁ + ଅଛି

खाता + था = ଖାଉ + ଥିଲା

आता + होगा = ଆସୁ + ଥିବ

(ii) संयुक्त क्रिया - मुख्य क्रिया + गौण क्रिया / सहायक क्रिया

टूट + गया = ଭାଙ୍ଗିଗଲା

कर + सका = କରି + ପାରିଲା

जा + चुका = ଯାଇ + ସାରିଛି

जाग + उठा = ଚେଇଁ + ଉଠିଲା

दौड़ने + लगा = ଦୌଡ଼ିବାକୁ + ଲାଗିଲା

(गाड़ी स्टेशन) छोड + चुकी + थी = ଛାଡ଼ି + ସାରି + ଥିଲା ।

(iii) प्रेरणार्थक क्रिया - जैसे – कर – करता है, कराता है – करवाता है ।

माँ बच्चे को खाना खिलाती है ।

माँ आया से बच्चे को खाना खिलवाती है ।

(ओड़िआ में द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया नहीं होती ।)

(iv) कर्म/करण/संप्रदान/अपादान/अधिकरण :

मोहन मदन को बुलाता है ।

माँ ने चाकू से फल काटा ।

सोहन ने उसे पाँच रुपये दिए।

हिमालय से अनेक नदियाँ निकली हैं ।

मेज पर कलम है ।

(2) कर्म - क्रिया संबंध :

क्रिया के रूप कभी-कभी कर्म के अनुसार बदलते हैं । यह हिन्दी की विशेष संरचना है ।

जैसे -

(i) लड़के ने एक आम खाया ।

लड़की ने एक आम खाया ।

(ii) लड़के ने चार आम खाए ।

लड़की ने चार आम खाए ।

(iii) लड़के ने एक रोटी खाई ।

लड़की ने एक रोटी खाई ।

(iv) लड़के ने चार रोटियाँ खाईं ।

लड़की ने चार रोटियाँ खाईं ।

स्पष्ट है कि यहाँ क्रिया कर्म के लिंग-वचन के अनुसार चलती है । इसलिए क्रिया के चार रूप बन सकते हैं ।

आपका काम :

अब ऐसे कई वाक्य बनाइए जिन में पढ़ना / लिखना आदि क्रिया के सभी (पढ़ा, पढ़े, पढ़ी, पढ़ीं / लिखा, लिखे, लिखी, लिखीं) रूप आ जाएँ । ध्यान रहे कि ऐसा केवल सकर्मक क्रिया और भूतकाल में होता है ।

(3) क्रिया का अपना रूप :

कभी-कभी क्रिया अपने रूप (पुंलिंग, एकवचन, तथा अन्य पुरुष) में ही रहती है; जैसे -

लीला ने मालती को बुलाया ।

उसे रोज स्कूल जाना पड़ता है ।

उसे पढ़ना है ।

मुझसे चला नहीं जाता ।

आपके लिए काम :

(क) ऊपर के वाक्यों के अनुसार और कुछ वाक्य बनाकर उनका हिन्दी में अनुवाद करके दोखिए कि क्या फर्क नजर आता है ।

(ख) ओड़िआ और हिन्दी में क्रिया के तीन काल होते हैं । भूत, भविष्यत् और वर्तमान । 'खेलना' क्रिया के सभी लिंगों, वचनों और पुरुषों में कैसे-कैसे रूप बनते हैं, लिखकर देखिए । पूरी तालिका बनाइए ।

नोट : ऐसा करने पर आपको दोनों भाषाओं की संरचनाओं की विलक्षणता मालूम पड़ जाएगी ।

(4) कर्ता-पद का विस्तार :

कर्ता-पद और क्रिया-पद के पूरक/विशेषक शब्द समूह में अन्विति होती है । निम्नलिखित वाक्यों को देखिए और हिन्दी तथा ओड़िआ भाषा के पार्थक्य को नोट कीजिए ।

घोड़ा चरता है ।

काला घोड़ा चर रहा है ।

सेनापति का काला घोड़ा चर रहा है ।

काले घोड़े को घास दो।

काले घोड़ों को घास दो ।

उनके घरवाले अच्छे हैं ।

उनके घरवालों ने अच्छा काम किया है ।

हमारा सेनापति । हमारे देश का सेनापति । हमारे देश के सेनापति का

हमारे देश के सेनापति का काला घोड़ा चर रहा है ।

आपका काम :

आप इस प्रकार के कई हिन्दी वाक्य बनाइए और उनका अनुवाद करके अपनी कॉपी में लिखिए ।

(5) संबंधपद : (का/के/की, रा/रे/री, ना/ने/नी)

हिन्दी में संबंध-पदों के रूप लिंग-वचन के अनुसार बदलते हैं । ओड़िआ में नहीं बदलते ।

देखिए :

रमेश कहता है ।	मेरा बैल, आपका घर, अपना सामान
रंजना कहती है ।	मेरे बच्चे, आपके कमरे, अपने लोग
	मेरी गाय, आपकी छत, अपनी रजाई

ओड़िआ में रूप ऐसे होंगे -

ରମେଶ କହୁଛି ।	ମୋର ବଳଦ, ଆପଣଙ୍କ ଘର, ନିଜ ଜିନିଷ
ରଞ୍ଜନା କହୁଛି ।	ମୋର ପିଲାମାନେ, ଆପଣଙ୍କ କୋଠରୀଗୁଡ଼ିକ, ନିଜ ଲୋକମାନେ
	ମୋର ଗାଈ, ଆପଣଙ୍କ ଛାତ, ନିଜ ରେଜେଇ

निष्कर्ष हुआ - हिन्दी में संबंधित पद के लिंग और वचन के अनुसार सबंधं पदों के रूप बनते हैं ।

(6) संज्ञा-विशेषण संबंध :

यहाँ ओड़िआ रूप लिखिए ।

अच्छा लड़का ——————————

अच्छे लड़के ——————————

अच्छी लड़की ——————————

बहुत अच्छा लड़का ——————————

सबसे अच्छे लड़की ——————————

सबसे अच्छी लड़की ——————————

सबसे अच्छी लड़कियाँ ——————————

फिर देखिए -

(i) दुष्ट मारीच को राम ने मारा ।

हिरन के रूप में आए दुष्ट मारीच को राम ने मारा ।

(ii) भारत मेरा देश है ।

मेरा देश बहुत बड़ा है ।

मेरे देश में बड़े-बड़े लोग हैं ।

(7) पूरक - चंद्रकांत एक अफसर हैं ।

चन्द्रकांत एक सरकारी अफसर हैं।

शशिकांत एक डॉक्टर है ।

वह लड़का बीमार था ।

(8) नकारात्मक वाक्य :

तुम यह काम मत करो ।

वह आज नहीं आएगा ।

आप वहाँ न जाएँ ।

(9) क्रिया-विशेषण :

गाड़ी तेज चलती है ।

बादल उमड़ते-घुमड़ते आ गए ।

बिजली अचानक गिरी ।

निष्कर्ष : इस प्रकार एक भाषा की संरचनाओं को मन में चुन लीजिए । उसे दूसरी भाषा में उलथा (अनुवाद) कीजिए । ध्यान रहे, मूल भाषा के भाव और विचार अक्षुण्ण बने रहें । तब आप सफल अनुवादक बन जाएँगे ।

अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए -

(i) ମୁଁ ଡାକ୍ତର । ସେ ଅଧ୍ୟାପକ । ଆପଣ ଅଭିନେତା । ସୁରେଶ ଜଣେ ଖେଳାଳି । ସେ ଗାଁର ମୁଖିଆ ।

(ii) ପିଲାମାନେ ଦଶଟାବେଳେ ବିଦ୍ୟାଳୟକୁ ଆସନ୍ତି । ସେମାନେ ଚାରିଟା ବେଳେ ଫେରନ୍ତି । ସେମାନେ ସଂଧ୍ୟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପଡ଼ିଆରେ ଖେଳନ୍ତି । ବାପା ସେମାନଙ୍କୁ ପାଠ ପଢ଼ାନ୍ତି । ମା ସେମାନଙ୍କୁ ଗପ ଶୁଣାନ୍ତି ।

(iii) ତୁମେ ଜଣେ ଲେଖକ ହେବ । କାଲି ସ୍କୁଲ ଛୁଟି ହେବ । ମୁଁ ଆସନ୍ତା ବର୍ଷ ଦିଲ୍ଲୀରେ ପଢ଼ିବି । ବାପା ଟଙ୍କା ପଠାଇବେ । ମୋ ଭାଇ ବହି କିଣି ଦେବେ ।

(iv) ଚୋରମାନେ ପଳାଇଲେ । ଘୋଡ଼ାମାନେ ଜୋରରେ ଧାଇଁଲେ । ସକାଳେ ଗାଡ଼ି ପହଞ୍ଚିଲା । ଲୋକମାନେ ଗାଡ଼ିରୁ ଓହ୍ଲାଇଲେ । ଆମେ ଇତିହାସ ପଢ଼ିଲୁ ।

(v) ସଙ୍ଗୀତା ଏକଥା ପଚାରୁଥିଲା । ଆକାଶରେ ବାଦଲ ଘୋଟିଯାଇଥିଲା । କୃଷକ ଜମିରେ ହଳ କରୁଥିଲା । ଶ୍ରମିକଟି ବସ୍ତା ଉଠାଉଥିଲା । ରଞ୍ଜିତା ଚିତ୍ର ଆଙ୍କୁଥିଲା ।

(vi) ସେମାନେ ପଢ଼ିଲେ । ସେ କ୍ଷୀର ପିଇଲେ । ମାଳୀ ଫୁଲ ବିକିଲା । ବାପା ଦୋକାନରୁ କାଗଜ କିଣିଲେ । ମା' ତରକାରୀ ରାନ୍ଧିଲେ ।

(vii) ତୁମେ ଧୋତୀ କିଣିଲ କି ? ମୋ ମା' କାହାଣୀଟିଏ ଲେଖିଛନ୍ତି । ଆପଣ କଲମଟି ହଜେଇ ଦେଲେ କି ? ତୁମେ ମୂର୍ତ୍ତିଟିଏ ତିଆରି କରିଛ କି ?

ओड़िआ में अनुवाद कीजिए :

भारत वर्ष मेरी मातृभूमि है । उसके वन, पहाड़ और नदियाँ बहुत सुंदर हैं । यह ऋषि-मुनियों का देश है । उसकी मिट्टी बहुत ही उर्वर है । इसलिए खेती यहाँ की मुख्य जीविका है । किसान बड़े मेहनती होते हैं । वे हल चलाते हैं, बीज बोते हैं और फसल उगाते हैं । हमारे देश में अन्न की कमी नहीं है । सरकार गरीबों को अनाज बाँटती है । लोग खुश होते हैं ।

हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

ଓଡ଼ିଶା ମୋର ଜନ୍ମଭୂମି । ମୁଁ ଏହାକୁ ଜୀବନ ଠାରୁ ମଧ୍ୟ ବେଶୀ ଭଲ ପାଏ । ମହାନଦୀ ଗୋଟିଏ ବଡ଼ ନଦୀ । ନଦୀ ଜଳ ଦ୍ୱାରା ଓଡ଼ିଶାରେ ଭଲ ଫସଲ ହୁଏ । ପୂର୍ବକାଳରେ ନଦୀ ବାଟେ ବେପାର ହେଉଥିଲା । ଓଡ଼ିଶାରେ ଅନେକ ଶିଳ୍ପୀ ଓ କଳାକାର ଥିଲେ । ସେମାନେ ଅନେକ ମନ୍ଦିର ତିଆରି କରିଛନ୍ତି । ଓଡ଼ିଶାର ଲୁଗା ପୃଥିବୀ ବିଖ୍ୟାତ । ଓଡ଼ିଶାର ଲୋକେ ବଡ଼ ପରିଶ୍ରମୀ । ସେମାନେ ନାନା ପ୍ରକାରର କାମ ଜାଣନ୍ତି । ମନ ଦେଇ କାମ କରନ୍ତି । ସେମାନେ ଅତିଥି ପ୍ରିୟ । ଜଗନ୍ନାଥ ଓଡ଼ିଆ ଜାତିର ଦେବତା । ଏଠାର ଲୋକେ ବଡ଼ ଧାର୍ମିକ । ତେଣୁ ସେମାନେ କଷ୍ଟ ପାଆନ୍ତି ନାହିଁ ।

●